सामाजिक अध्ययन में विद्यार्थियों की रूचि व शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय–भोपाल
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

वर्ष 2007–2008

मार्गदर्शिका
डॉ. रत्नमाला आर्य
(प्रवक्ता)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधार्थी
अंजु खेस्स
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

सामाजिक अध्ययन में विद्यार्थियों की रूचि व शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT D- 261

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय–भोपाल
एम. एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

वर्ष 2007–2008

मार्गदर्शिका
डॉ. रत्नमाला आर्य
(प्रवक्ता)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधार्थी
अंजु खेस्स
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि अंजु खेरस जो कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स भोपाल में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययरत् है, ने एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु लघुशोध प्रबंध कार्य **''सामाजिक अध्ययन में विद्यार्थियों की रूचि व शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन''** मेरे मार्गदर्शन में विधिवत् पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध पूर्णतया मौलिक हैं, जिसे मेहनत ईमानदारी तथा पूर्ण निष्ठा से किया गया है एवं पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की सत्र 2007–08 की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत करने में उपयुक्त तथा सक्षम है।

स्थानः– भोपाल

दिनांकः– 21 अप्रैल 2008

मार्गदर्शिका
डॉ. श्रीमती रत्नमाला आर्य
(प्रवक्ता)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स भोपाल (म.प्र.)

घोषणा–पत्र

मैं, **अंजु खेस्स एम.एड.** (प्रारंभिक शिक्षा) यह घोषणा करती हूँ कि **''सामाजिक अध्ययन में विद्यार्थियों की रूचि व शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन''** नामक शीर्षक पर लघुशोध प्रबंध 2007–08, डॉ. श्रीमति रत्नमाला आर्य (प्रवक्ता) शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

इस शोध में लिए गये प्रदत्त एवं सूचनाएँ विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानो से प्राप्त की गई है, तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2007–08 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 21 अप्रैल 2008

शोधार्थी
अंजु खेस्स
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध ''सामाजिक अध्ययन में विद्यार्थियों की रूचि व शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन'' की संपूर्णता का संपूर्ण श्रेय मेरी मार्गदर्शिका डॉ. श्रीमति रत्नमाला आर्य (प्रवक्ता), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को जाता है। जिनके निरंतर प्रोत्साहन, परामर्श व निर्देशन ने मुझे इस शोध कार्य को पूरा करने हेतु सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध आपके द्वारा शोध कार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है, जिन्होनें मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है अतएव मैं उनकी ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राध्यापक डॉ.एस.एस.शफी (अधिष्ठाता) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, डॉ. ए.बी. सक्सेना (प्राचार्य), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल तथा डॉ. जी.एन.पी. श्रीवास्तव (विभागाध्यक्ष) शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आर्शीवाद हेतु हृदय से आभारी हूँ, जिन्होने शोधकार्य की सम्पन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है।

मैं डॉ. रमेश बाबू, डॉ. लक्ष्मीनारायण, डॉ. के.के.खरे, डॉ.एम.यू. पैइली, डॉ.एस.के. गुप्ता, श्री संजय पंडागले एवं समस्त गुरूजनों की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होनें समय–समय पर उचित मार्गदर्शन व प्रोत्साहन के द्वारा मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया। किन्तु आभार प्रकट करना तो मात्र औपचारिकता होगी क्योंकि उन सभी गुरूजनों से शिक्षा के महत्व व उपयोगिता के संदर्भ में जो कुछ सीखा है उसके लिए कृतज्ञता मात्र शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, किन्तु लघुशोध प्रबंध कार्य में आप सभी ने अविश्वसनीय शैक्षिक प्रेरणा प्रदान की है एवं प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से

व्यक्तिगत तथा मानसिक संबंल प्रदान किया है, अतः सभी के अकल्पनीय योगदान के लिए आभारी हूँ।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष व समस्त सहयोगियों की हृदय से आभारी हूँ जिनके अपूर्व सामायिक सहयोग से शोधकार्य संपन्न हो सकता है।

मै अपने पूर्व बी.एड. महाविद्यालय (उन्नत शिक्षा संस्थान बिलासपुर) के गुरूजनों का धन्यवाद देना चाहती हूँ जिनके प्रोत्साहन से मुझे यह कार्य पूरा करने का बल मिला है।

मैं अपने माता-पिता, भाई-बहन व सभी परिजनों की आभारी हूँ, जिन्होनें मुझमें उत्साह का संचार कर शोधकार्य पूरा करने में योगदान दिया।

मैं अपने सभी मित्रों की आभारी जिन्होनें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से मेरे शोधकार्य में सहयोग प्रदान किया है।

अतः शोधकार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोधकार्य में जिन्होनें किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से मैं आभारी रहूँगी।

स्थानः- भोपाल

दिनांकः- 21 अप्रैल 2008

अंजु खेस्स
एम.एड. प्रशिक्षणार्थी
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

अध्याय	विषयवस्तु	संख्या
अध्याय –प्रथम	**प्रस्तावना**	1–14
1.1	भूमिका	01
1.2	सामाजिक अध्ययन शिक्षण के उद्देश्य	04
	1.2.1 सामाजिक अध्ययन विषय के प्रमुख भाग	04
1.3	शोध की आश्यकता	09
1.4	समस्या कथन	10
1.5	समस्या कथन में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा	10
	1.5.1 विद्यार्थी	
	1.5.2 सामाजिक अध्ययन	
	1.5.3 रूचि	
	1.5.4 शैक्षिक उपलब्धि	
1.6	बालकों में रूचि उत्पन करने के कारक	12
1.7	शोध के उद्देश्य	13
1.8	शोध से संबंधित चर	13
1.9	शोध की परिकल्पनाएँ	14
1.10	शोध की सीमाएँ	14
अध्याय–द्वितीय	**सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन**	15–21
2.1	प्रस्तावना	15
2.2	साहित्य के पुनरावलोकन का महत्व	15
अध्याय–तृतीय	**शोध प्रविधि**	22–27
3.1	न्यादर्श का चयन	22
3.2	शोध में प्रयुक्त उपकरण	24
3.3	सामाजिक अध्ययन रूचि मापनी	24
3.4	प्रदत्तों का संकलन	24

3.5	निर्देश	26
3.6	प्रयुक्त सांख्यिकी	27
अध्याय– चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	28–33
4.1	प्रस्तावना	28
4.2	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	29
अध्याय –पंचम	**निष्कर्ष एवं सुझाव**	34–41
5.1	भूमिका	34
5.2	प्रस्तुत अध्ययन	35
5.3	समस्या कथन	35
5.4	अध्ययन के उदद्देश्य	35
5.5	अध्ययन में प्रयुक्त चर	35
5.6	परिकल्पनाएँ	36
5.7	शोध सीमाएँ	36
5.8	न्यादर्श चयन प्रक्रिया	37
5.9	प्रयुक्त उपकरण	37
5.10	प्रयुक्त सांख्यिकी	37
5.11	शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्ष	38
5.12	निष्कर्ष के आधार पर विश्लेषण	40
5.13	भविष्य के अध्ययन हेतु सुझाव	40
	संदर्भग्रंथ सूची	
	परिशिष्ट –	
	सामाजिक अध्ययन रूचि मापनी	

तालिका सूची

अ. क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
3.1	जिला एवं विद्यालयों की संख्या	23
3.2	विद्यालय व विद्यार्थियों की संख्या	23-24
4.1	छात्र व छात्राओं की सामाजिक अध्ययन में रूचि दर्शाने वाली 'टी' मूल्य तालिका	30
4.2	छात्र व छात्राओं की सामाजिक अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली तालिका	31
4.3	ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में सामाजिक अध्ययन उपलब्धि दर्शाने वाली तालिका	32
4.4	ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की सामाजिक अध्ययन में रूचि दर्शाने वाली तालिका	32
4.5	विद्यार्थियों की रूचि व उपलब्धि का संबंध प्रदर्शित करने वाली तालिका	33